



धमाका डिस्टार्ट ऑफर

Exchange & Finance Available

Zelo Electric Scooter

Maa Bhagwati Services & Enterprises
B. No. 23, Infront of IDBI Bank,
Neemuch 9407423966, 8770664866

Commodity:	Gold	1,51,905	Silver	2,95,000	Crude Oil	5.963	Natural Gas	302.20	Aluminium	232.30	Copper	827.35
------------	------	----------	--------	----------	-----------	-------	-------------	--------	-----------	--------	--------	--------



नीमच कलेक्टर हिमांशु चंद्रा ने फिर दिखाया भ्रष्ट साहस

उनके कार्यकाल में सर्वाधिक शासकीय बेशकीमती भूमियों पर पुनः शासन का कब्जा

कलेक्टर हिमांशु चंद्रा के नीमच कलेक्टर बनने के बाद जिले भर में शासन की बेशकीमती जमीनें पुनः शासन के कब्जे में दिलवाने के अद्भुत और साहसिक दम उन्होंने दिखाया है। उनके और उनकी पूरी टीम का मोड ऑफ एक्शन सराहनीय है। 1998 में जिला बनने के बाद जहां कोई लगभग 17-18 कलेक्टर आए और रहे, इन सब के कुल योग के बराबर से भी ज्यादा शासकीय भूमि वो भी बेशकीमती वो अकेले हिमांशु चंद्रा द्वारा शासन के कब्जे में वापस करवाई गई, जिसमे बड़े बड़े नामी नेताओ और प्रभावी

लोगो से मुक्त कर उन पर शासन का बोर्ड लगवाया। अकेले नीमच नगरपालिका क्षेत्र की बात करे तो लगभग 18-20 हेक्टेयर प्राइम लैंड नगरपालिका को सुपुर्द करवाई जा चुकी है। वहीं राजस्व के खाते की शासकीय भूमि भी दर्जनों एकड़ भूमि मुक्त करवा कर शासन के कब्जे में करवाई। शहर से लेकर जिले भर में कलेक्टर हिमांशु चंद्रा के इस साहस व कर्तव्यपरायणता की भूरी भूरी प्रशंसा हो रही है। आज भी नीमच नगर के हृदयस्थल वाली जीवाजी राव छात्रावास की 4 लाख फ्रीट भूमि को

रिक्त करवा कर नीमच की जनता के लिए नगरपालिका को दिलाई। आज जिस तरह से उनके मार्गदर्शन में एडीएम बीएस कलेश, एसडीएम पराग जैन, तहसीलदार, नायाब तहसीलदार संजय मालवीय, नगरपालिका सीएमओ दुर्गा बामनिया, सहित पुलिसबल, राजस्व और नगरपालिका के अमले ने सुबह से रात तक जो प्रभावी कार्यवाही की वो आमजन के दिलों में छाप छोड़ गई। कितने ही प्रभावी लोगो का फोन आया, दबाव आया लेकिन कार्यवाही नहीं रुकी। हिमांशु चंद्रा और उनकी एक्टिव टीम यदि

ऐसे ही छोटे बड़े का भेद न करते हुए आगे भी कार्यवाही करते रहे तो यह नीमच जिले के लिए स्वर्णिम समय से कम नहीं होगा। किसी समय मे हमने प्रभावी लोगो के यहां कार्यवाहियों के दौरान नगरपालिका की जेसीबी और ट्रैक्टरों के डीजल खत्म होने तक का खेल देखा हुआ है। उस समय और अभी के समय का यह अंतर जमीन पर साफ दिख रहा है। ऐसे ही प्रभावी कार्यवाहियां होती रहे तो आमजन में भरोसा तो बना रहेगा कि कार्यवाही होती है...!

आउटसोर्स बिजली कर्मचारी की करंट लगने से मौत : परमिट के बावजूद अचानक सप्लाई चालू की, परिजनों ने शव रखकर प्रदर्शन किया



नीमच । जिले के बिसलवास कला में बिजली कंपनी की लापरवाही से एक आउटसोर्स कर्मचारी की मौत हो गई। मंगलवार दोपहर प्रताप सिंह शक्तावत पोल पर मेटेनेंस का काम कर रहा था, तभी करंट लगने और गिरने से उनकी जान चली गई। अमावली महल निवासी प्रताप सिंह 10 साल से कंपनी में आउटसोर्स कर्मचारी था। करणी सेना के प्रदेश सचिव नरेंद्र सिंह शक्तावत ने बताया कि मेटेनेंस का परमिट सुबह 8 से दोपहर 3 बजे तक था। दोपहर करीब 2:30 बजे अचानक लाइन में बिजली सप्लाई चालू कर दी गई, जिससे प्रताप सिंह की मौके पर ही मौत हो गई। वह परिवार में अकेले कमाने वाला था। परिजन और ग्रामीण शव लेकर टीआईटी कॉलोनी पहुंचे और बिजली विभाग के खिलाफ प्रदर्शन किया। वे मुआवजे, लापरवाहों

पर कार्रवाई और एक परिजन को नौकरी की मांग कर रहे हैं। चक्का जाम जारी है। सप्लाई चालू होने की जांच होगी - अधीक्षण यंत्री महीप सोनी ने बताया कि बिसलवास कला में विद्युत मेटेनेंस कार्य के दौरान दोपहर में यह गंभीर दुर्घटना हुई है। 133 केवी सर्वानिया फिटर पर डबल सर्किट का कार्य चल रहा था और नियमानुसार लाइन पर काम करने से पहले परमिट लिया जाता है। उन्होंने आश्वासन दिया कि परमिट और अचानक सप्लाई चालू होने के मामले की जांच स्मार्ट मीटर डेटा के जरिए जल्द की जाएगी, साथ ही परिजनों द्वारा की गई दावियों पर सख्त कार्रवाई, आर्थिक सहायता और परिवार के एक सदस्य को नौकरी की मांग पर नियमानुसार उचित कार्रवाई की जाएगी।

मध्य प्रदेश में फिर घटेगा बस किराया ! CM मोहन यादव के निर्देश, 60% तक बढ़े किराए की होगी समीक्षा

भोपाल। प्रदेश में बस किराए में की गई वृद्धि कम की जा सकती है। दरअसल, विभिन्न जिलों के प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को जनता से फीडबैक मिला है कि राज्य सरकार द्वारा बस किराए में अधिक वृद्धि कर दी गई है। इससे कमजोर वर्ग असहज महसूस कर रहा है। कई जिलों से एक जैसा फीडबैक मिलने के बाद मुख्यमंत्री ने परिवहन विभाग से कहा है कि बस किराए में वृद्धि की एक बार फिर समीक्षा की जाए। इसमें

निजी ऑपरेटरों का भी ध्यान रखा जाए। उन्हें किसी तरह का आर्थिक नुकसान न हो, इसका ध्यान रखते हुए किराया वृद्धि का युक्तियुक्तकरण किया जाए। सरकार का प्रयास है कि आम जनता, विशेषकर कमजोर वर्ग पर आर्थिक बोझ न पड़े और निजी बस ऑपरेटरों के हित भी सुरक्षित रहें।

हाल ही में हुई 60 प्रतिशत तक की किराया वृद्धि के बाद मुख्यमंत्री ने यह संवेदनशील फैसला लिया है। हाल ही में शुरू

की गई मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा के व्यापक विस्तार के साथ-साथ यदि निजी बसों के किराए का भी युक्तियुक्तकरण हो जाता है, तो प्रदेश की करीब 8.5 करोड़ जनता के लिए आवागमन बेहद सुगम और सस्ता हो जाएगा। बता दें कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव लगातार प्रदेश के विभिन्न जिलों के दौरों और प्रवास पर हैं। इस दौरान वह विकास कार्यों की समीक्षा के साथ-साथ सीधे आम जनता और समाज के विभिन्न तबकों से संवाद कर रहे हैं।

चंगेरा मंडी में सजा बलराम महोत्सव: आधुनिक कृषि तकनीकों और योजनाओं से रूबरू हुए किसान

बलराम महोत्सव में किसानों को मिली आधुनिक खेती की जानकारी



नीमच। कृषि उपज मंडी चंगेरा में बलराम जिला महोत्सव के अवसर पर कृषि स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। किसानों को आधुनिक कृषि तकनीक, उन्नत कृषि यंत्रों, कृषि विविधीकरण और शासन की किसान हितैषी योजनाओं से जोड़ने के उद्देश्य से विभिन्न विभागों ने कृषि एवं जनकल्याणकारी योजनाओं पर आधारित प्रदर्शनी लगाई। प्रदर्शनी में कृषि अभियांत्रिकी संंचालनालय, किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग, पशुपालन एवं मत्स्य विभाग, जिला सहकारी बैंक, कृषि विपणन, उद्यानिकी तथा महिला एवं बाल विकास विभाग ने अलग-अलग स्टॉल लगाए। इन स्टॉलों के माध्यम से किसानों को आधुनिक कृषि यंत्रों के उपयोग, उन्नत खेती की तकनीक, कृषि से जुड़ी संबद्ध गतिविधियों और

शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मध्यप्रदेश राज्य सहकारी बैंक के प्रशासक महेंद्र सिंह यादव एवं प्रदेश किसान मोर्चा अध्यक्ष जयपाल सिंह चावड़ा सहित जनप्रतिनिधियों ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया। अतिथियों ने विभिन्न विभागों के स्टॉल पर पहुंचकर किसानों के लिए संचालित योजनाओं और उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली।

इस दौरान जावद विधायक ओमप्रकाश सखलेचा, नीमच विधायक दिलीप सिंह परिहार, मनासा विधायक अनिरुद्ध माधव मारु, श्री कप्तान सिंह, श्री कपिल यादव, श्रीमती वंदना खंडेलवाल, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती स्वाति चोपड़ा सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी और बड़ी संख्या में

किसान मौजूद रहे।

तकनीक से समृद्ध खेती का संदेश - प्रदर्शनी में किसानों को कृषि को केवल पारंपरिक तरीके से करने के बजाय आधुनिक तकनीक और उपलब्ध संसाधनों के बेहतर उपयोग से उत्पादन एवं आय बढ़ाने की जानकारी दी गई। कृषि यंत्रों, फसल विविधीकरण, पशुपालन, मत्स्यपालन और अन्य संबद्ध गतिविधियों के माध्यम से किसानों को अतिरिक्त आय के अवसरों से जोड़ने पर भी जोर दिया गया। आयोजन का उद्देश्य किसानों को नई तकनीक, आधुनिक कृषि पद्धतियों और शासन की योजनाओं से जोड़कर कृषि क्षेत्र को अधिक सशक्त एवं समृद्ध बनाना रहा। अधिकारियों एवं कृषि विशेषज्ञों ने किसानों से उपलब्ध योजनाओं का लाभ लेने और खेती में नवाचार अपनाने का आह्वान किया।



नीमच । सरकारी और सार्वजनिक जमीनों की सुरक्षा को लेकर नीमच प्रशासन की सख्ती अब जमीन पर दिखाई देने लगी है। कलेक्टर हिमांशु चंद्रा के कार्यकाल में प्रशासन ने सरकारी संपत्तियों को अतिक्रमण और अवैध कब्जों से बचाने की दिशा में लगातार सक्रियता दिखाई है। इसी कड़ी में शहर की बेशकीमती जीवाजीराव छात्रावास की करीब 4.32 लाख वर्ग फीट जमीन पर हुई कार्रवाई ने एक बार फिर प्रशासन की कार्यशैली को चर्चा में ला दिया है। न्यायालयीन प्रक्रिया पूरी होने के बाद नगरपालिका और प्रशासन ने जमीन पर अपना कब्जा बहाल कराया। करोड़ों रुपए मूल्य की इस भूमि पर हुई कार्रवाई को सरकारी संपत्तियों की सुरक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। यह कार्रवाई केवल एक जमीन को वापस लेने तक सीमित नहीं है, बल्कि उन लोगों के लिए भी स्पष्ट संदेश है जो सरकारी जमीनों

पर कब्जा जमाकर बैठे हैं।

कलेक्टर के कार्यकाल में सरकारी जमीनों की सुरक्षा पर फोकस - नीमच जिले में सरकारी भूमि को सुरक्षित रखना प्रशासन के सामने महत्वपूर्ण चुनौती रहती है। शहर और आसपास के क्षेत्रों में बेशकीमती जमीनों पर अतिक्रमण तथा अवैध कब्जों की शिकायतें समय-समय पर सामने आती रही हैं। ऐसे मामलों में कलेक्टर हिमांशु चंद्रा के नेतृत्व में प्रशासन का जोर रिकार्ड की जांच, कानूनी प्रक्रिया और उसके बाद मौके पर कार्रवाई पर दिखाई दे रहा है। जीवाजीराव छात्रावास की जमीन पर हुई कार्रवाई इसी सोच का बड़ा उदाहरण है। न्यायालयीन आदेश के बाद प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर जमीन का कब्जा शासन के पक्ष में बहाल कराया। इससे यह संदेश गया कि सरकारी जमीन को लेकर लंबे समय से चल रहे विवादों का भी कानूनी तरीके से समाधान कर उसे सुरक्षित किया जा सकता है।

4.32 लाख वर्गफीट जमीन, कीमत ने चौंकाया - जीवाजीराव छात्रावास की जमीन करीब 4.32 लाख वर्गफीट क्षेत्र में फैली है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार इसका सरकारी गाइडलाइन मूल्य करीब 145 करोड़ रुपए, जबकि बाजार मूल्य करीब 500 करोड़ रुपए बताया गया है। शहर के महत्वपूर्ण हिस्से में इतनी बड़ी जमीन का होना इसे और अधिक महत्वपूर्ण बनाता है। ऐसे में इस भूमि को अतिक्रमण और विवाद से मुक्त कर शासन के कब्जे में लेना प्रशासन के लिए बड़ी कार्रवाई मानी जा रही है।

भूमिफियाओं और अतिक्रमणकारियों के लिए सख्त संदेश - जीवाजीराव छात्रावास की जमीन पर हुई कार्रवाई से यह स्पष्ट संदेश गया है कि सरकारी संपत्ति पर कब्जा या अनधिकृत निर्माण लंबे समय तक प्रशासन की नजर से बचा नहीं रह सकता। कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद प्रशासन कार्रवाई

करने से पीछे नहीं हटेगा। कलेक्टर हिमांशु चंद्रा के कार्यकाल में जमीनों की सुरक्षा को लेकर प्रशासनिक अमले की सक्रियता से उन मामलों में भी उम्मीद बढ़ी है, जहां सरकारी जमीन वर्षों से विवाद, अतिक्रमण या कब्जे की स्थिति में रही है।

कानून के रास्ते कार्रवाई, फिर जमीन पर एक्शन - इस कार्रवाई की सबसे अहम बात यह रही कि प्रशासन ने न्यायालयीन प्रक्रिया का पालन करते हुए कदम आगे बढ़ाया। पहले न्यायालयीन स्थिति स्पष्ट हुई, इसके बाद संबंधित प्रक्रिया और नोटिस की कार्रवाई हुई और फिर प्रशासनिक एवं पुलिस अमले की मौजूदगी में जमीन पर कब्जा बहाल कराया गया। इससे प्रशासन की उस कार्यशैली का संकेत मिलता है जिसमें कानूनी प्रक्रिया और प्रशासनिक कार्रवाई को साथ लेकर सरकारी संपत्तियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने पर जोर दिया जा रहा है।

कलेक्टर हिमांशु चंद्रा के नेतृत्व में प्रशासन की सक्रियता चर्चा में - कलेक्टर हिमांशु चंद्रा के कार्यकाल में जमीनों से जुड़े मामलों पर प्रशासन की सक्रियता अब जिले में चर्चा का विषय बन रही है। सरकारी जमीनों को सुरक्षित रखने, अतिक्रमण के मामलों में कार्रवाई करने और न्यायालयीन प्रक्रिया के बाद शासन की संपत्ति वापस लेने की दिशा में प्रशासन द्वारा उठाए जा रहे कदमों से सरकारी संपत्तियों को लेकर सख्ती का संदेश मजबूत हुआ है। जीवाजीराव छात्रावास की जमीन पर हुई कार्रवाई ने इस संदेश को और बड़ा कर दिया है। करोड़ों की बेशकीमती जमीन शासन के कब्जे में वापस आना इस बात का संकेत है कि सरकारी जमीन की सुरक्षा को लेकर प्रशासन अब केवल कागजी कार्रवाई तक सीमित नहीं रहना चाहता।

AIACHO की नीमच जिला इकाई की नई कार्यकारिणी गठित

डॉ. रितेश सोनी बने जिलाध्यक्ष : CHO के वार्षिक मिलन समारोह में संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प



नीमच। जिले के समस्त सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों (CHO) का वार्षिक मिलन समारोह रविवार को आयोजित किया गया। कार्यक्रम में AIACHO की प्रदेश कार्यकारिणी के कोषाध्यक्ष अशोक धाकड़ एवं महामंत्री हेमंत रावत मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। समारोह के दौरान जिलेभर से आए सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों ने संगठनात्मक विषयों पर चर्चा की और संगठन को और मजबूत बनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में सभी सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों की सर्वसम्मति से AIACHO संगठन की जिला नीमच इकाई की नवीन कार्यकारिणी का गठन किया गया। इसमें जिला एवं ब्लॉक स्तर पर विभिन्न पदों के लिए पदाधिकारियों का मनोनयन किया गया।

तीनों ब्लॉकों में भी नई

जिम्मेदारियां - जिला कार्यकारिणी के साथ विभिन्न ब्लॉक स्तर पर भी पदाधिकारियों का मनोनयन किया गया। मनासा ब्लॉक अध्यक्ष के रूप में प्रमेश आर्य तथा उपाध्यक्ष के रूप में जलज निर्वाण को जिम्मेदारी दी गई। इसी प्रकार पालसोडा ब्लॉक अध्यक्ष के पद पर दिव्या धाकड़ एवं उपाध्यक्ष के पद पर राहुल आर्य को मनोनीत किया गया। जावद ब्लॉक अध्यक्ष की जिम्मेदारी ममता चावड़ा को तथा उपाध्यक्ष का दायित्व हेमलता धाकड़ को सौंपा गया।

रीना बैरागी को प्रदेश की कोर टीम में शामिल किए जाने पर स्वागत - कार्यक्रम के दौरान जिला नीमच AIACHO संगठन की पूर्व कोषाध्यक्ष एवं सक्रिय कार्यकर्ता रीना बैरागी को प्रदेश कार्यकारिणी की कोर टीम में शामिल किए जाने पर उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।

उपस्थित CHOs ने उनके संगठनात्मक योगदान की सराहना करते हुए नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं। **संगठन को मजबूत बनाने का लिया संकल्प** - नई कार्यकारिणी के गठन के बाद सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने AIACHO संगठन की जिला इकाई को मजबूत बनाने, सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों के हितों एवं संगठनात्मक गतिविधियों को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। समारोह के अंत में जिला नीमच के सभी सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों की ओर से कार्यक्रम पर उपस्थित प्रदेश कार्यकारिणी के विशेष अतिथियों अशोक धाकड़ एवं हेमंत रावत को प्रेम भेंट प्रदान कर उनका आभार एवं अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

नीरजा भनोट से स्मित मच्छर तक, हिन्दुओं की शूरवीरता की कायल दुनिया



राकेश सैन

30 सितम्बर को दुबई से तेल अवीव जा रही प्लाईदुबई की उड़ान एफजेड-1073 में उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब कॉकपिट के अंदर दोनों पायलटों के बीच हिंसक झड़प हो गई। घटना के दौरान भारतीय कैप्टन स्मित मच्छर गंभीर रूप से घायल हो गए। इसके बाद विमान अचानक तेजी से नीचे जाने लगा। विमान ने बेहद कम समय में हजारों फीट की ऊंचाई खो दी। स्थिति बिगड़ती देख यात्रियों और चालक दल के सदस्यों ने कॉकपिट तक पहुंचने की कोशिश की। घायल होने के बावजूद कैप्टन मच्छर ने कॉकपिट का दरवाजा खोलने में मदद की, जिससे अंदर मौजूद हमलावर को काबू करने का रास्ता बना। इसके बाद इजरायली यात्री यानिव हयून कॉकपिट के अंदर पहुंचे, हयून ने हमलावर को पीछे से पकड़कर नियंत्रण से दूर किया और पायलट की सीट पर पहुंचकर विमान को संभालने में मदद की। इस तरह स्मित मच्छर ने जहाज में सवार 174 लोगों की जान बचाई, जिनमें अधिकतर इस्राइली नागरिक थे। विमान को क्रेश करने की कोशिश करने वाला को-पायलट ओमान का निवासी था। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतान्याहु, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप समेत दुनिया भर के बड़े नेताओं ने इस हिन्दू सपूत की बहादुरी की प्रशंसा की है। नेतान्याहु ने कैप्टन स्मित मच्छर के साहस को 'अविस्वसनीय' बताया। उन्होंने कहा कि घायल होने के बावजूद भारतीय पायलट ने जिस तरह स्थिति का सामना किया, उसने यात्रियों और चालक दल को हस्तक्षेप का मौका दिया। पीएम मोदी ने उन्हें 'हीरो' बताते हुए कहा कि उनके साहस ने सैकड़ों लोगों की जान बचाई और एक बड़ी त्रासदी को टालने में मदद की। डोनाल्ड ट्रंप ने भी घटना को



लेकर कैप्टन मच्छर और यात्री यानिव हयून की तारीफ की। ट्रंप ने कहा कि गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद पायलट ने दरवाजा खोलकर अहम भूमिका निभाई। वैसे इस घटना का आधिकारिक कारण सामने नहीं आया है परंतु समझा जा रहा है कि अगर दुर्घटना हो जाती तो यह अमेरिका के टिवन टावरों पर हुए आतंकी घटना का ही दूसरा रूप होती, संभव है इसके बाद इस्राइल की भी सैनिक प्रक्रिया होती और दुनिया में शांति व्यवस्था को नया खतरा पैदा हो जाता, जो पहले ही इरान-अमेरिका और रूस-यूक्रेन युद्ध के चलते संकट में चली आ रही है। स्मित मच्छर की बहादुरी ने न केवल पौने दो सौ लोगों का जीवन बचाया बल्कि दुनिया को भी एक बड़े संकट से बचा लिया। 30 सितम्बर को हुई इस घटना ने एक और हिन्दू विरांगना नीरजा भनोट का पुण्य स्मरण करवा दिया है जो इसी तरह



की घटना में शहीद हुई थीं परंतु जीवन के अंतिम क्षण तक अपहृत जहाज के यात्रियों की सुरक्षा के लिए आतंकियों से लड़ती रहीं। उनकी बहादुरी को देख कर पाकिस्तान ने भी उन्हें तमगा-ए-इंसानियत पुरस्कार से सम्मानित किया। 5 सितंबर 1986 की सुबह कराची का जिन्ना अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पैन अमेरिकन वर्ल्ड की फ्लाइट 73 मुंबई से न्यूयॉर्क के सफर पर थी और कराची उसका एक पड़ाव था। विमान में करीब 360 यात्री और 19 क्रू सदस्य मौजूद थे। लेकिन अचानक विमान में चार हथियारबंद आतंकी घुस आए और उन्होंने फ्लाइट को हाईजैक कर लिया। उस समय विमान की सीनियर फ्लाइट पर्सर थीं 22 साल की नीरजा भनोट। हालात बेहद खतरनाक थे, लेकिन नीरजा ने घबराने के बजाय तुरंत समझ लिया कि यात्रियों को बचाने के लिए क्या करना जरूरी है। उन्होंने कॉकपिट तक हाईजैक का

संकेत पहुंचाया। इसकी वजह से पायलट और दूसरे कॉकपिट क्रू सदस्य विमान से बाहर निकलने में कामयाब रहे जिससे विमान के उड़ान भरने की संभावना खत्म हो गई और आतंकवादी अंदर फंस गए यात्रियों पर नियंत्रण बनाए रखने की कोशिश करने लगे। आतंकवादियों की नजर अमेरिकी यात्रियों पर थी। नीरजा ने अमेरिकी यात्रियों के पासपोर्ट छिपाने शुरू कर दिए। पासपोर्ट कूड़ेदान में डाल दिए गए, ताकि आतंकवादियों को यह पता न चल सके कि विमान में कौन-कौन से अमेरिकी नागरिक मौजूद हैं। करीब 17 घंटे तक विमान जमीन पर खड़ा रहा। जब विमान की बिजली चली गई, तो स्थिति अचानक और ज्यादा खतरनाक हो गई। अंधेरे का फायदा उठाकर आतंकवादियों ने गोलीबारी शुरू कर दी। अफरा-तफरी के बीच नीरजा ने इमरजेंसी गेट खोल दिया। उनके सामने मौका था कि वह खुद सबसे पहले विमान से बाहर निकल जाएं, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। उन्होंने यात्रियों को बाहर निकलने में मदद करना शुरू किया। नीरजा ने बच्चों समेत कई यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकलने में मदद की। इसी दौरान वह आतंकवादियों की गोली का निशाना बन गईं। तीन बच्चों को बचाने की कोशिश करते हुए उन्हें गोली मार दी गई। गंभीर रूप से घायल नीरजा को अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उनकी जान नहीं बच सकी। इस घटना में 20 लोगों की मौत हुई। हालांकि, नीरजा की सूझबूझ और साहस के कारण सैकड़ों यात्री सुरक्षित बच पाए। नीरजा भनोट की बहादुरी को भारत ही नहीं, बल्कि दुनिया भर में सम्मान मिला। भारत सरकार ने उन्हें मरणोपरांत अशोक चक्र से सम्मानित किया। पाकिस्तान ने भी उनकी बहादुरी को मान्यता देते हुए उन्हें 'तमगा-ए-इंसानियत' से सम्मानित किया। अमेरिका में भी उनकी बहादुरी के लिए उन्हें कई सम्मान मिले। बाद के वर्षों में उनके सम्मान में डाक टिकट जारी किया गया और मुंबई में एक चौक का नाम भी उनके नाम पर रखा गया। आज स्मित मच्छर ने नीरजा भनोट की उसी बहादुरी की पुनः स्मृति करवा दी है और दुनिया हिन्दुओं की शूरवीरता व कर्तव्यपरायणता को सलाम कर रही है।

संपादकीय

‘घोषणा-पत्र’ गायब!

हमारे देश में दो सबसे प्रमुख संवैधानिक संस्थाएं हैं-सर्वोच्च अदालत और चुनाव आयोग। अक्सर शीर्ष अदालत चुनाव आयोग के फैसलों, कार्य-प्रणाली और अभियानों में हस्तक्षेप नहीं करती। दलील दी जाती रही है कि वह भी संवैधानिक संस्था है, लिहाजा संविधान की गरिमा और वैधता को समझती है। अलबत्ता सर्वोच्च अदालत आयोग के फैसलों की आधी-अधूरी समीक्षा जरूर करती रही है। सवाल है कि फॉर्म 6 के साथ जो घोषणा-पत्र नथी किया गया था, उसे सर्वोच्च अदालत ने 'अवैध' करार क्यों नहीं दिया? आयोग को निर्देश क्यों नहीं दिए गए कि फॉर्म 6 में कोई भी बदलाव उसके अधिकार-क्षेत्र में नहीं है? संसद और भारत सरकार की स्वीकृति और अधिसूचना के बाद ही चुनाव आयोग कोई बदलाव कर सकता था। अब अचानक 26 सितंबर को आयोग का फैसला सामने आया कि जहां 'विशेष गहन पुनरीक्षण' (एसआईआर) हो चुका है अथवा अभी होना है, वहां फॉर्म 6 के साथ घोषणा-पत्र की अनिवार्यता नहीं है। बीती 30 सितंबर को आयोग के 'साफ्टवेयर तंत्र' से ही फॉर्म 6 के साथ वाला घोषणा-पत्र गायब हो गया। कहा गया घोषणा-पत्र...? अब किसने फैसला लिया कि घोषणा-पत्र हटा दिया जाए? क्या यह मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार गुप्ता और दोनों चुनाव आयुक्तों-सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी-का 'साझा निर्णय' है? देश को जानने का लोकतांत्रिक और संवैधानिक अधिकार है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के सवाल भी तार्किक लगते हैं कि फॉर्म 6 में अवैध तरीके से बदलाव किसके आदेश से किया गया? 'टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज' (टीसीएस) को आदेश किसने दिया? कंपनी में किसने मंजूरी दी? हालांकि नेता प्रतिपक्ष ने घोषणा-पत्र गायब होने का मुद्दा अभी नहीं उठाया है। घोषणा-पत्र को हटाने अथवा गायब होने का महत्व इसलिए है, क्योंकि लाखों वैध मतदाताओं को बाध्य कर घोषणा-पत्र भरवाए जा रहे थे। साफ्टवेयर में ऐसी व्यवस्था की गई थी कि यदि मतदाता अपने माता-पिता या दादा-दादी के मतदाता होने की पुष्टि नहीं करता अथवा वह कोलम नहीं भरता, तो उसे भी मतदाता-पुची में शामिल नहीं किया जाएगा। फॉर्म 6 के घोषणा-पत्र के जरिए मतदाताओं को 'झूठ' बोलने की भी विवश किया जाता रहा है कि वह पहली बार मतदाता बनने जा रहे हैं। इससे पहले उन्होंने कभी भी मतदान नहीं किया। यह मामला भी शीर्ष अदालत के सामने उठना चाहिए। 'इंडी' गठबंधन की बैठक में प्रख्यात अधिवक्ता एवं सांसद कपिल सिब्बल ने सुझाव दिया था कि आयोग में आईटी साफ्टवेयर सिस्टम की महानिदेशक सीमा खन्ना के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करनी चाहिए, क्योंकि सीईसी ज्ञानेश को तो 2023 के कानून के मुताबिक 'कानूनी कवच' मिला हुआ है।

चिंतन-मनन

गुरु तत्व का सम्मान

जब भी तुमने बदले में किसी आशा के बिना किसी के किए कुछ भी किया हो, किसी को कोई सलाह दी हो, लोगों का मार्गदर्शन किया हो, उन्हें प्रेम दिया हो और उनकी देख-भाल की हो, तब तुमने गुरु की भूमिका निभाई है। गुरु तत्व सम्मान करने की ओर विश्वास करने की चीज है। तुम्हारे आस पास कितने लोग हैं जो सब के गुरु, भावनाओं और दोषोपपन्न के बीच अटके हुए हैं। लेकिन अगर तुम्हारे पास गुरु हैं तो तुम्हें इन सब बातों से कोई फर्क नहीं पड़ेगा और अगर पड़ेगा भी तो वह कुछ मिनटों से ज्यादा टिकने वाला नहीं। जब व्यक्ति गुरु तत्व के इस सिद्धांत के साथ चलता है, तब सभी सीमाएं गिर जाती हैं और वह आस पास के सभी व्यक्तियों और सारे ब्रह्मांड के साथ एक होने का अनुभव करने लगता है। जब यह ज्ञान प्रकट होता है, दुःख गायब हो जाता है और आत्म-लानि के लिए कोई स्थान नहीं रहता। अगर तुम्हारे भीतर आत्म-ग्लानि है, तो इसका अर्थ है अभी तक तुम गुरु तक आए नहीं हो। गुरु तक आने का अर्थ है श्रद्धा होना कि गुरु हमेशा हमारे साथ है। इसका अर्थ है हमें जो भी चाहिए वो होगा और हमें रास्ता दिखाया जाएगा। जीवना में शांति सुनिश्चित करने का सबसे अच्छा रास्ता साधना, सत्संग, आत्म-चिंतन और भक्ति द्वारा गुरु के निकट रहना है। इससे यह भी सुनिश्चित होगा कि तुममें आध्यात्मिकता मजबूत हो। हालांकि जब तुम शारीरिक रूप से गुरु के निकट नहीं हो पाते, तब भी मन और आत्मा से तुम गुरु के निकट हो सकते हो। जब व्याकुलता बहुत ज्यादा बढ़ जाए, तब समर्पण में आसन पाओ। गुरु या ईश्वर को समर्पण कर दो। गुरु को उनके शारीरिक रूप और व्यक्तित्व से परे देखो। ईश्वर, आत्मा और गुरु में कोई अंतर नहीं है। गुरु तुम्हारे असली स्वभाव का ही प्रतिबिम्ब हैं और तुम्हें आत्मा में वापस अग्रसर करने के लिए मार्गदर्शक हैं। अपनी लगन, श्रद्धा और वचनबद्धता से तुम स्पष्ट रूप से देख सकते हो कि चाहे कैसी भी परिस्थिति हो, जिस पल तुम गुरु को गुरु मान लेते हो, उनके सभी गुण प्राप्त करना संभव हो जाता है। एक बार जब गुरु उपाय बन जाते हैं, तुम जीवन में कभी पराजित नहीं होते। गुरु के लिए भक्ति काफी है। गुरु यहाँ तुम्हारे लिए हैं और तुम्हारे अच्छे और बुरे समय के दौरान तुम्हारे साथ हैं। तुम अकेले नहीं हो तो गुरु को ढूँढ़ निकालो और स्वाभाविक रूप से जियो और प्रेम और आनंद में खुशी मनाओ।

नशे के खिलाफ CBN का जागरूकता अभियान

विद्यार्थियों से बोले उपायुक्त निखिल गांधी- खुद नशे से दूर रहें, साथियों और समाज को भी करें जागरूक



नीमच। युवाओं को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराने और नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से सोमवार को नीमच के स्वामी विवेकानंद शासकीय महाविद्यालय में केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (CBN) द्वारा नशे के विरुद्ध जागरूकता अभियान कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान CBN के उपायुक्त निखिल गांधी ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए नशे की बढ़ती प्रवृत्ति और इसके गंभीर दुष्परिणामों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि नशे की शुरुआत अक्सर जिज्ञासा या साथियों के दबाव में होती है, लेकिन धीरे-धीरे यह व्यक्ति की आदत और फिर गंभीर लत का रूप ले सकती है। इससे न केवल व्यक्ति का स्वास्थ्य प्रभावित होता है, बल्कि उसका

परिवार और सामाजिक जीवन भी प्रभावित होता है। नशे से शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ता है गंभीर असर - जागरूकता कार्यक्रम में विद्यार्थियों को नशे की लत से होने वाले शारीरिक, मानसिक और सामाजिक नुकसान के बारे में समझाया गया। विद्यार्थियों को बताया गया कि नशीले पदार्थों का सेवन शरीर को नुकसान पहुंचाने के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य, शिक्षा, करियर और पारिवारिक संबंधों पर भी प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है। उपायुक्त निखिल गांधी ने विद्यार्थियों से कहा कि युवा देश की महत्वपूर्ण शक्ति हैं। यदि युवा नशे से दूर रहकर अपनी उर्जा शिक्षा, खेल, रोजगार और सकारात्मक गतिविधियों में लगाएंगे तो वे अपने साथ-साथ समाज और देश के विकास में भी महत्वपूर्ण

भूमिका निभा सकते हैं।

साथियों को भी करें जागरूक - कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों से आह्वान किया गया कि वे स्वयं नशे से दूर रहने के साथ अपने दोस्तों, सहपाठियों और आसपास के लोगों को भी नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करें। युवाओं को किसी भी प्रकार के नशीले पदार्थ से दूरी बनाए रखने और नशे को लेकर जागरूकता फैलाने की प्रेरणा दी गई। CBN के इस जागरूकता अभियान का उद्देश्य विद्यार्थियों को नशे के दुष्परिणामों की जानकारी देकर उन्हें स्वस्थ, सुरक्षित और बेहतर भविष्य के लिए प्रेरित करना रहा। कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं में नशे के खिलाफ जागरूकता बढ़ाने और समाज में सकारात्मक संदेश पहुंचाने का प्रयास किया गया।

12 नगरीय निकायों में 22 जल स्रोतों की सफाई, श्रमदान से दिया जल संरक्षण और स्वच्छता का संदेश



नीमच। सेवा संकल्प अभियान के तहत "सेवा मेरा योगदान" गतिविधि अंतर्गत जिले के सभी 12 नगरीय निकायों में जल स्रोतों के संरक्षण और स्वच्छता को लेकर विशेष सफाई अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान 22 स्थानों पर कुएं, तालाब, बावड़ियां, नदी घाट और अन्य जल स्रोतों की सफाई की गई। जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों-कर्मचारियों के साथ नागरिकों ने भी उत्साहपूर्वक श्रमदान

जनप्रतिनिधियों से लेकर कर्मचारियों तक ने किया श्रमदान - अभियान में संबंधित नगर पालिका एवं नगर परिषद अध्यक्ष, पार्षद, मुख्य नगर पालिका अधिकारी, अधिकारी-कर्मचारी और अन्य संबंधित लोगों ने सक्रिय सहभागिता की। जनप्रतिनिधियों और कर्मचारियों ने स्वयं श्रमदान करते हुए जल स्रोतों की सफाई की और नागरिकों को भी स्वच्छता के लिए प्रेरित किया।

जल स्रोतों को स्वच्छ रखने की अपील - अभियान के दौरान नीमच नगर पालिका क्षेत्र में नाथूलाल बावड़ी, भटनागर कुआं और मातादीन कुआं, जीरन में शिव घाट एवं तालाब, कुकड़ेश्वर में महादेव घाट तथा मनासा में राम तलई तालाब की सफाई-सफाई की गई। इसी तरह सिंगोली में फिल्टर प्लांट, रतनगढ़ में वाटर ट्रीटमेंट प्लांट, जावद में सवलिया डेम और खार दरवाजा बावड़ी, नयागांव में ढाबा माता मंदिर बावड़ी एवं पीपलेश्वर बावड़ी तथा अठाना में विभिन्न जल स्रोतों, गंधी नदी घाट और बावड़ी की सफाई की गई। रामपुरा नगर पालिका क्षेत्र में पातोशा बावड़ी एवं श्रीपुरा चौपड़ा और सरवातिया महाराज नगर परिषद के वाई क्रमांक-3 स्थित तलई में भी स्वच्छता अभियान चलाया गया।

रतलाम में अतिथि शिक्षक के साथ बर्बरता, पेड़ से बांधकर पीटने का वीडियो वायरल, छात्रा से छेड़छाड़ का आरोप

रतलाम। ताल थाना क्षेत्र में नाबालिग छात्रा से छेड़छाड़ के आरोप में ग्रामीणों द्वारा अतिथि शिक्षक के साथ मारपीट करने का मामला सामने आया है। घटना 3 अक्टूबर की है, जिसका वीडियो मंगलवार को वायरल हुआ। वीडियो में कुछ लोग शिक्षक को पेड़ से बांधकर चाट मारते और रस्सी से पीटते दिखाई दे रहे हैं। शिक्षक रो-रो कर छोड़ने की गुहार लगाता रहा। हालांकि पुलिस के पहुंचने तक शिक्षक पेड़ से बंधा नहीं मिला। उसके शरीर पर चाट के निशान थे। पुलिस ने उसे अस्पताल पहुंचाया।

प्राथमिक स्कूल में अतिथि शिक्षक - मुरैना जिले के कैलास थाना क्षेत्र के ग्राम शाहदपुर निवासी 21 वर्षीय योगेंद्र पुत्र रघुवीर सिंह जाटव खारवाकला चौकी क्षेत्र के पिपलिया तुखार के शासकीय प्राथमिक स्कूल में अतिथि शिक्षक है। वह पिछले करीब चार माह से यहाँ पढ़ा रहा है। इससे पहले वह कोटड़ी के पास मंडाल में अतिथि शिक्षक था। वर्तमान में खारवाकला में किराये के मकान में रहता है। ग्रामीणों के अनुसार योगेंद्र 3 अक्टूबर को दोपहर करीब 1:50 बजे स्कूल से लंच के समय करीब

15 किमी दूर रहने वाली एक छात्रा से मिलने पहुंचा था। इसकी जानकारी छात्र के स्वजनों को हो गई। छात्रा को झोपड़ी में ले गया और उसके साथ छेड़छाड़ की - आरोप है कि योगेंद्र छात्रा को बहाने से बुलाकर एक झोपड़ी में ले गया और उसके साथ छेड़छाड़ की। छात्रा के शोर मचाने पर स्वजन और ग्रामीण मौके पर पहुंचे तथा शिक्षक को पकड़ लिया। इसी दौरान उसके साथ मारपीट की गई। वीडियो में शिक्षक को पेड़ से बांधकर कुछ लोग मारपीट करते हुए दिखाई दे रहे हैं।

पाँक्सो एक्ट में शिक्षक गिरफ्तार, जेल भेजा - छात्रा के स्वजन की शिकायत पर योगेंद्र के खिलाफ पाँक्सो एक्ट समेत अन्य धाराओं में प्रकरण दर्ज किया गया है। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर सोमवार को न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। खारवाकला चौकी प्रभारी केएल सोनारों ने बताया कि वायरल वीडियो के आधार पर मारपीट करने वाले दो से तीन लोगों की पहचान हो चुकी है। इनमें एक छात्रा का पिता भी है। अन्य लोगों की पहचान का जा रही है।

TET की अनिवार्यता खत्म करने और प्रथम नियुक्ति तिथि से वरिष्ठता की मांग, नीमच गांधी वाटिका में अध्यापकों का जोरदार धरना-प्रदर्शन



नीमच । प्रांतीय आह्वान पर 'अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा' के बैनर तले रविवार को नीमच जिले के अध्यापकों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर गांधी वाटिका में धरना-प्रदर्शन किया। दोपहर 11 बजे से 1 बजे तक

चले प्रदर्शन में जिलेभर से बड़ी संख्या में शिक्षक एवं शिक्षिकाएं शामिल हुए। प्रदर्शन के दौरान अध्यापकों ने TET परीक्षा की अनिवार्यता समाप्त करने और प्रथम नियुक्ति तिथि से वरिष्ठता का लाभ देने की मांग प्रमुखता

से उठाई। शिक्षकों का कहना है कि जो अध्यापक लंबे समय से विभाग में अपनी सेवाएं दे रहे हैं, उन पर पुनः शिक्षक पात्रता परीक्षा (TET) की अनिवार्यता लागू करना उचित नहीं है।

दो प्रमुख मांगों को लेकर

आवाज बुलंद - अध्यापकों की प्रमुख मांग है कि पहले से सेवा में कार्यरत शिक्षकों पर पुनः TET परीक्षा की अनिवार्यता नहीं थोपी जाए। इसके साथ ही अध्यापकों को उनकी प्रथम नियुक्ति तिथि से पूर्ण वरिष्ठता एवं उससे जुड़े सभी सेवा लाभ प्रदान किए जाएं। धरने के दौरान शिक्षक नेताओं ने कहा कि अध्यापक लंबे समय से अपनी सेवाएं दे रहे हैं और उनकी सेवा अवधि को वरिष्ठता में उचित रूप से शामिल किया जाना चाहिए।

नई शतों के कारण अध्यापकों के सामने उत्पन्न हो रही समस्याओं का निराकरण किया जाना आवश्यक है। प्रदर्शन के दौरान अध्यापकों ने अपनी मांगों के समर्थन में आवाज बुलंद की। शिक्षक नेताओं ने स्पष्ट किया कि यदि शासन स्तर पर उनकी मांगों पर जल्द सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो आंदोलन को आगे और तेज किया जाएगा।



सर्व पितृ अमावस्या पर कब, कितने और कहाँ जलाएं दीये?

अश्विन माह की अमावस्या को सर्व पितृ अमावस्या के नाम से भी जाना जाता है।

अश्विन माह की अमावस्या को सर्व पितृ अमावस्या के नाम से भी जाना जाता है। सर्व पितृ अमावस्या का हिन्दू धर्म में बहुत महत्व है। ज्योतिष एवं धर्म शास्त्रों में भी इस बात का उल्लेख मिलता है कि सर्व पितृ अमावस्या के दिन किया गया पितरों के निमित्त श्राद्ध कर्म पितरों को भगवान विष्णु के धाम वैकुण्ठ में स्थान दिलाता है। इसके अलावा, सर्व पितृ अमावस्या के दिन पितरों के निमित्त दीया जलाना भी बहुत लाभकारी माना जाता है। ऐसे में ज्योतिषाचार्य से आइये जानते हैं कि आखिर सर्व पितृ अमावस्या के दिन कितने दीये जलाने चाहिए। साथ ही यह भी जानेंगे कि किस दिशा या किन स्थानों पर दीये जलाना शुभ है एवं किस समय जलाने चाहिए।

सर्व पितृ अमावस्या पर कितने दीये जलाने चाहिए?

शास्त्रों में वर्णित जानकारी के अनुसार, सर्व पितृ अमावस्या के दिन पितरों के निमित्त 11 और 1 चौमुखी दीया भगवान विष्णु के निमित्त जलाना चाहिए।

सर्व पितृ अमावस्या पर कहाँ दीये जलाने चाहिए?

पीपल के पेड़, घर की दक्षिण दिशा, घर का मुख्य द्वार, चौराहा, घर की छत और पवित्र नदी के तट पर सर्व पितृ अमावस्या के दिन दीये जलाने चाहिए।

सर्व पितृ अमावस्या पर किस समय दीये जलाने चाहिए?

सर्व पितृ अमावस्या के दिन पितरों के निमित्त दीया दोपहर के समय जलाएँ। वहीं, इस दिन भगवान विष्णु के निमित्त दीया ब्रह्म मुहूर्त में जलाना शुभ है।

सर्व पितृ अमावस्या पर कौन सा दीया जलाना चाहिए?

पितरों के लिए सर्व पितृ अमावस्या के दिन सरसों के तेल में तिल मिलाकर दीया जलाएँ। भगवान विष्णु के समक्ष घी का चौमुखी दीपक प्रज्वलित करें।

सर्व पितृ अमावस्या पर दीया जलाने के क्या लाभ हैं?

इस दिन पितरों के लिए दीपक जलाने से पितृ प्रसन्न होते हैं और आशीर्वाद देते हैं। भगवान विष्णु के समक्ष दीया जलाने से पितृ दोष में राहत मिलती है।



श्राद्ध पक्ष में ब्राह्मण भोजन का विशेष महत्व है

पंचांग के हिसाब से अश्विन माह के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि को सर्व पितृ अमावस्या मनाई जाती है। इस दिन सभी प्रकार के श्राद्ध, तर्पण और पिंडदान करने का विशेष महत्व है। कहते हैं कि पितृ दोष होने पर व्यक्ति को कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। सर्व पितृ अमावस्या पर किए गए पिंडदान से पितृ दोष का निवारण होता है। सर्व पितृ अमावस्या का दिन सबसे महत्वपूर्ण अनुष्ठान है। पिंडदान में तिल, जल और कुश आदि का उपयोग किया जाता है। श्राद्ध में अपने पूर्वजों के नाम पर भोजन बनाकर ब्राह्मणों को दान किया जाता है। इस दिन दान करना बहुत शुभ माना जाता है। आप अन्न, वस्त्र, धन आदि दान कर सकते हैं। इस दिन मंदिर जाकर भगवान विष्णु और पितरों का पूजन किया जाता है। अब ऐसे में इस साल सर्व पितृ अमावस्या कब है, पितरों का श्राद्ध किस समय करना शुभ माना जाता है। साथ ही इस अमावस्या तिथि का महत्व क्या है। शास्त्रानुसार ब्राह्मणों के मुख द्वारा ही देवता 'हव्य' एवं पितर 'कव्य' ग्रहण करते हैं। लेकिन श्राद्ध पक्ष में ब्राह्मण भोजन के भी विशेष नियम होते हैं। श्राद्ध भोक्ता ब्राह्मणों को इनका अनुपालन करना आवश्यक होता है। आइए जानते हैं कि शास्त्रानुसार श्राद्ध का भोजन ग्रहण करने वाले ब्राह्मणों को किन बातों का ध्यान रखना आवश्यक है।

- श्राद्ध भोज करने वाले ब्राह्मण को संध्या करना आवश्यक है। श्राद्ध भोज करने वाला ब्राह्मण श्रोत्रिय होना चाहिए जो गायत्री का नित्य जप करता हो।
- श्राद्ध भोज करने वाले ब्राह्मण को श्राद्ध में भोजन करते समय मौन रहकर भोजन करना चाहिए, आवश्यकतानुसार केवल हाथ का संकेत करना चाहिए।
- श्राद्ध भोज करते समय ब्राह्मण को भोजन की निंदा या प्रशंसा नहीं करनी चाहिए।
- श्राद्ध भोज करने वाले ब्राह्मण से भोजन के विषय में अर्थात् 'कैसा है' यह प्रश्न नहीं करना चाहिए।
- श्राद्ध भोक्ता ब्राह्मण को पुर्नभोजन अर्थात् एक ही दिन दो या तीन स्थानों पर श्राद्ध भोज नहीं करना चाहिए।
- श्राद्ध भोक्ता ब्राह्मण को श्राद्ध भोज वाले दिन दान नहीं देना चाहिए।
- श्राद्ध भोक्ता ब्राह्मण को श्राद्ध भोज वाले दिन मैथुन नहीं करना चाहिए।
- श्राद्ध भोक्ता ब्राह्मण को केवल चांदी, कांसे या पलाश के पत्तों पर परोसा गया भोजन ही करना चाहिए। श्राद्ध में लोहे व मिट्टी के पात्रों का सर्वथा निषेध बताया गया है।

सर्व पितृ अमावस्या का महत्व

सर्व पितृ अमावस्या के दिन स्नान और दान करने से व्यक्ति को पुण्य प्राप्ति होती है। साथ ही पितरों के लिए तर्पण, पिंडदान, श्राद्ध आदि करने से पितरों का आशीर्वाद मिलता है। साथ ही सुख-शांति और समृद्धि की भी प्राप्ति होती है।



हिंदू धर्म में पितृपक्ष का महीना बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। इस दौरान पितरों की पूजा करने की मान्यता है। ऐसा कहा जाता है कि अगर आपकी कुड़ली में पितृदोष है, तो व्यक्ति को कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए पितृपक्ष में विधिवत रूप से श्राद्ध कर्म, तर्पण और और पिंडदान करने से लाभ हो सकता है। आपको बता दें, पितृपक्ष में कई बार जातक नियमित रूप श्राद्ध नहीं कर पाते हैं। इसलिए सर्व पितृ अमावस्या के दिन करने से व्यक्ति को उत्तम परिणाम मिल सकते हैं। पितृपक्ष में कई तरह के पिंड बनाए जाते हैं। जिससे व्यक्ति को लाभ हो सकता है। अब ऐसे में पितृपक्ष में पितरों को खीर का पिंड देने का महत्व क्या है।

पितरों को खीर का पिंड देने का महत्व क्या है?

पितरों को खीर का पिंड देना हिंदू धर्म में एक महत्वपूर्ण अनुष्ठान है, विशेषकर पितृ पक्ष के दौरान। यह माना जाता है कि इस अनुष्ठान से पितरों की आत्मा को शांति मिलती है और उन्हें मोक्ष प्राप्त करने में मदद मिलती है। खीर को एक पवित्र भोजन माना जाता है। इसे देवताओं को भी अर्पित किया जाता है। पितरों को खीर देने से यह विश्वास होता है कि वे इस पवित्र भोजन का आनंद लेते हैं। खीर में चावल और

सनातन धर्म में सर्व पितृ अमावस्या का विशेष महत्व है। इस दौरान पितरों की पूजा विधिवत रूप से करने से पितृ प्रसन्न होते हैं और उनकी कृपा घर-परिवार के सभी सदस्यों पर पड़ती है। ऐसा माना जाता है कि सर्व पितृ अमावस्या के दिन अगर विधिवत रूप से दान-पुण्य किया जाए, तो पूजा का सीधा फल पूर्वजों तक पहुंचता है और उनकी आत्मा को शांति मिलती है।

पितृपक्ष में पितरों को खीर का पिंड देने का क्या है महत्व?

दूध दोनों होते हैं। चावल समृद्धि और प्रचुरता का प्रतीक है, जबकि दूध शुद्धता और पवित्रता का प्रतीक है। इसलिए, खीर को शक्ति और शुद्धता का प्रतीक माना जाता है। आपको बता दें, खीर मीठा होता है और माना जाता है कि यह पितरों को तुष्ट करता है। इतना ही नहीं, खीर को परिवार के सदस्यों के बीच आत्मिक संबंध को मजबूत करने का भी प्रतीक माना जाता है।

खीर के पिंड से मिलता है पितृ ऋण से छुटकारा

हिंदू धर्म में पितृ ऋण का बहुत महत्व होता है। माना जाता है कि माता-पिता ने हमें जीवन दिया है और हमें पालन-पोषण किया है, इसलिए हमें उनके प्रति कृतज्ञ होना चाहिए। पितरों को खीर का पिंड देकर हम इस ऋण का कुछ अंश चुकाते हैं। पितरों को खुश करके हमें उनका आशीर्वाद प्राप्त होता है। माना जाता है कि पितरों का आशीर्वाद हमारे जीवन में सुख और समृद्धि लाता है। पितरों को खीर का पिंड देकर हम उनकी आत्मा को शांति प्रदान करते हैं और उन्हें मोक्ष प्राप्त करने में मदद करते हैं।



सर्व पितृ अमावस्या के दिन करें इन चीजों का दान, पितरों का मिलेगा आशीर्वाद

हिंदू पंचांग के अनुसार आश्विन माह की अमावस्या तिथि को बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। इस दिन पितरों के लिए विधिवत रूप से तर्पण किया जाता है। ताकि उन्हें मोक्ष प्राप्ति हो सके।

ऐसे में सर्व पितृ अमावस्या के दिन किन चीजों का दान करना शुभ माना जाता है।

सर्व पितृ अमावस्या के दिन करें तिल का दान हिंदू धर्म में तिल को पितरों का सबसे प्रिय अन्न माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि तिल का दान करने से पितर प्रसन्न होते हैं और उन्हें मोक्ष की प्राप्ति होती है। तिल का दान पितृ दोष को दूर करने का एक प्रभावी उपाय माना जाता है। तिल का दान करने से घर में शांति और समृद्धि आती है। यह माना जाता है कि तिल का दान करने से पितरों का आशीर्वाद मिलता है और जीवन में सफलता मिलती है।

सर्व पितृ अमावस्या के दिन करें पिंडदान सर्व पितृ अमावस्या के दिन पिंडदान करने से व्यक्ति को पितरों का आशीर्वाद प्राप्त होता है। ऐसा माना जाता है कि पिंडदान करने से व्यक्ति को सुख-समृद्धि और सौभाग्य की प्राप्ति होती है। पिंडदान करते समय इस बात का खास ध्यान रखें कि आप अपने पितरों का ध्यान जरूर करें। ऐसा करने से जातकों को पितृदोष से छुटकारा मिल जाता है। साथ ही पितरों के आशीर्वाद की भी प्राप्ति होती है।

सर्व पितृ अमावस्या के दिन करें वस्त्र दान सर्व पितृ अमावस्या के दिन वस्त्र का दान करना उत्तम फलदायी माना जाता है। ऐसा कहा जाता है कि इस अमावस्या तिथि के दिन जो व्यक्ति वस्त्र दान करता है। उसे पितरों का आशीर्वाद प्राप्त होता है। साथ ही दरिद्रता से भी छुटकारा मिल जाता है। बता दें, वस्त्र दान करने से पितर प्रसन्न होते हैं और वे अपने वंश पर आशीर्वाद बरसाते हैं।



आखिर अब क्यों नहीं देवी देवता आकर दिखाते हैं ऐसे चमत्कार

कहाँ गए वह देवी-देवता

पांच हजार साल पहले का कोई आदमी आज धरती पर आ जाए तो उसे आश्चर्य होगा कि यक्ष, देव, अशरीरी आत्माएं और किन्नर आदि कहाँ गए, यह भी कि इच्छा करते ही मनपसंद भोजन और वसन भूषण क्यों नहीं मिल रहे।

वे देवी देवती कहाँ गए जो बुलाने पर चले आते और इच्छित सुविधाओं को तत्काल रच देते थे। यह उल्लेख आज की दुनिया को सौ डेढ़ सौ साल पहले की दुनिया से तुलना करने वालों को भी हैरान कर सकते हैं।

हिमालय के इन भागों में दिखते हैं चमत्कार

उनके हिसाब से आज की दुनिया पिछली सदी से बहुत आगे है पर ईशा फाउंडेशन

कोयंबटूर (तमिलनाडु) की प्रयोगशाला के नतीजों को देखें तो मानना होगा कि पांच हजार साल पहले की दुनिया के बारे में पुराणों और योगशास्त्रों में जो लिखा है, वह अधिकांश सही साबित हो रहा है।

फाउंडेशन के संस्थापक और योग की सचाइयों को दुनिया में पहुंचाने के मिशन में लगे सद्गुरु जगगी वासुदेव का कहना है कि ऋग्वेद काल में तारों की सैर करने और वहां से लोगों के पृथ्वी पर आने के वृत्तांत सुनते आए हैं।

आकाश में रह कर धरती के लोगों के लिए सुख सुविधा रचने वालों के बारे में दुनियाभर की पुरानी किताबों के वर्णन इस बात की गवाही देते हैं। हिमालय के ध्रुव प्रदेश में तमाम ऐसी चीजें होते हुए आज भी देखी जा सकती हैं जो असंभव लगती हैं।

शास्त्रों और पुराणों में बताए

चमत्कार की सच्चाई

वास्तव में ऐसा कुछ नहीं हुआ होता, तो हर जगह लगभग एक जैसी कहानियां न बनी होती। बाइबल में खासकर यूनानी संस्कृति में भी ऐसे ही उल्लेख आए हैं। यहाँ तक कि नाम भी एक जैसे लगते हैं।

सुमेरियन संस्कृति, मेसोपोटामिया की संस्कृति, अरब की कुछ खास संस्कृतियों, अफ्रीका के उत्तरी भागों में और दक्षिण अमेरिका में भी यही बातें सुनने व पढ़ने को मिलती हैं। हजारों सालों तक इन महाद्वीपों के बीच कोई संपर्क ही नहीं रहा है। इसके बावजूद इन जगहों पर एक जैसे शब्दों और मुहावरों का उपयोग मिलता है।

हिमालय को योगियों और सिद्धों का तीर्थ बताते हुए तिब्बती लामा जेन सामी का कहना है कि साधना की उच्च स्थिति में पहुंचे लोगों को आज भी इस तरह के अलौकिक अनुभव होते हैं।

सार यह है कि दुनिया हमेशा उसके रचयिता की तरह पूर्ण विकसित रही है। कभी कोई पक्ष सामने आता है, कभी कोई। लेकिन योग के सहारे उसे समग्र रूप में देखा और समझा जा सकता है।

वास्तु शास्त्र

पर लोग अशुभ जीव मानते हैं। कहते हैं घर में अक्सर बिल्ली का आने का मतलब है कोई अपशकुन होने वाला है। बिल्ली का घर में मल त्याग करना अनहोनी का संकेत माना जाता है।



का नाम मानकी निको है। चीन और जापान में इस बिल्ली को शुभ का प्रतीक माना जाता है। यह बिल्ली धन को आकर्षित करती है इसलिए इसे मनी कैट भी कहा जाता है।

धन चाहिए तो आपको ऐसी बिल्ली रखनी चाहिए मनी कैट बाजार में कई रंग के मिलते हैं। रंग के अनुसार इनका परिणाम भी अलग-अलग प्राप्त होता है। जैसे

भरपूर प्यार के साथ धन भी मिलेगा, अगर घर में होगी यह बिल्ली

बिल्ली को आमतौर पर लोग अशुभ जीव मानते हैं। कहते हैं घर में अक्सर बिल्ली का आने का मतलब है कोई अपशकुन होने वाला है। बिल्ली का घर में मल त्याग करना अनहोनी का संकेत माना जाता है।

लेकिन एक बिल्ली ऐसी है जो घर में रहे तो अपशकुन नहीं बल्कि शगुन ही शगुन होता है। यह बिल्ली धन को आकर्षित करती है साथ ही आपके जीवन में प्यार भरपूर लाती है। क्या है इस बिल्ली का नाम

आपके जीवन में खुशियाँ और धन लाने वाली यह बिल्ली

का नाम मानकी निको है। चीन और जापान में इस बिल्ली को शुभ का प्रतीक माना जाता है। यह बिल्ली धन को आकर्षित करती है इसलिए इसे मनी कैट भी कहा जाता है। धन चाहिए तो आपको ऐसी बिल्ली रखनी चाहिए मनी कैट बाजार में कई रंग के मिलते हैं। रंग के अनुसार इनका परिणाम भी अलग-अलग प्राप्त होता है। जैसे

अगर आप धन की चाहत रखते हैं तो घर या व्यापारिक प्रतिष्ठान पीले रंग की बिल्ली रखें। धन प्राप्ति के लिए आप चाहें तो नीले रंग की बिल्ली भी रख सकते हैं। प्यार में भाग्य का साथ पाने के लिए प्यार में भाग्य आपका साथ दे इसके लिए आप लाल रंग की बिल्ली घर में रख सकते हैं। हरे रंग की बिल्ली आपके हर चीज में भाग्य का साथ दिलाती है। लेकिन बिल्ली से लाभ पाने के लिए कुछ नियम भी हैं। हरे रंग की बिल्ली उत्तर पूर्व में रखें। लाल रंग की बिल्ली को दक्षिण पश्चिम दिशा में। पीले और नीले रंग की बिल्ली दक्षिण पूर्व या उत्तर पूर्व में रखें।



हाईवे पर अवैध कट बने तो इंजीनियरों पर होगी कार्रवाई ढाबों-रेस्टोरेंट पर दिखेंगे अस्पताल, एंबुलेंस और थानों के नंबर

संभागायुक्त आशीष सिंह ने सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में दिए निर्देश, ब्लैक स्पॉट पर हादसे रोकने के लिए कर्मचारियों को सीपीआर और प्राथमिक बचाव का प्रशिक्षण देने पर जोर

नीमच। संभागीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में सड़क हादसों की रोकथाम और आपात स्थिति में त्वरित मदद को लेकर संभागायुक्त आशीष सिंह ने कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि संभाग के चिन्हित ब्लैक स्पॉट वाले क्षेत्रों में हाईवे किनारे संचालित ढाबों और रेस्टोरेंट पर नजदीकी अस्पताल, एंबुलेंस और थानों के फोन नंबर स्पष्ट रूप से प्रदर्शित किए जाएं। संभागायुक्त ने कहा कि ढाबों और रेस्टोरेंट में काम करने वाले कर्मचारियों को दुर्घटना में घायल व्यक्ति को सुरक्षित तरीके से अस्पताल पहुंचाने तथा आपात स्थिति में सीपीआर देने का प्रशिक्षण भी दिया जाए। इसके लिए डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ की मदद ली जा सकती है।

अवैध कट पर इंजीनियरों की जिम्मेदारी तय होगी - बैठक में राष्ट्रीय राजमार्ग और एमपीआरडीसी की सड़कों पर बनाए गए अवैधानिक कट पॉइंट बंद करने के निर्देश दिए गए। संभागायुक्त ने स्पष्ट किया कि ढाबों, पेट्रोल पंप आदि के सामने नियम विरुद्ध कट बनाए जाने पर संबंधित इंजीनियर के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। सभी आवश्यक कट पॉइंट पर नियमानुसार साइनेज, स्पीड ब्रेकर अथवा रंबल स्ट्रिप लगाने के निर्देश भी दिए गए। उन्होंने अधिकारियों को आवश्यक और अनावश्यक कट पॉइंट की समीक्षा कर सड़क सुरक्षा के अनुरूप

कार्रवाई करने को कहा।

बाढ़ वाले रपटों पर बनेंगे बड़े पुल - संभागायुक्त ने कहा कि धार्मिक एवं सामाजिक स्थलों के पास ऐसी रपटें, जहां बारिश के दौरान बाढ़ का पानी चढ़ जाता है और दुर्घटना की आशंका रहती है, वहां बड़े पुल निर्माण के प्रस्ताव प्राथमिकता से शासन को भेजे जाएं। बैठक में एडीजी राकेश गुप्ता ने शहरों में सब्जी मंडियों से बिगड़ने वाली यातायात व्यवस्था सुधारने, सड़कों पर घूमने वाले गौवंश को गोशालाओं तक पहुंचाने तथा टोल नाकों के आसपास सीट बेल्ट और हेलमेट की जांच के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने कहा कि वाहन चेकिंग के दौरान यातायात बाधित नहीं होना चाहिए। एनएचआई, एमपीआरडीसी और पुलिस को आपसी समन्वय से काम करते हुए अपने-अपने बल एवं एंबुलेंस के नंबर साझा करने के निर्देश दिए गए। बैठक में विभिन्न जिलों के कलेक्टर और पुलिस अधीक्षकों ने अपने-अपने जिलों के ब्लैक स्पॉट, सड़क सुरक्षा अभियान, वाहन चेकिंग और मिशन जीवन रक्षक के तहत किए गए प्रशिक्षण एवं कार्रवाई की जानकारी दी। मंदसौर-नीमच जिले में निजी वाहनों की दुर्घटनाओं में मृतकों के मुआवजा प्रकरणों के लंबित रहने का मुद्दा भी बैठक में उठाया गया।

नीमच। किसान कल्याण वर्ष के तहत कृषि उपज मंडी चंंगरा में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से नीमच के किसानों से सीधा संवाद किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आधुनिक खेती, सिंचाई सुविधाओं के विस्तार और फसल विविधीकरण से नीमच की कृषि को नई ऊंचाई मिलेगी। उन्होंने कृषि के साथ पशुपालन, दुग्ध उत्पादन और मत्स्यपालन को किसानों की आय बढ़ाने का महत्वपूर्ण माध्यम बताया। मुख्यमंत्री ने नीमच की कृषि मंडी की बढ़ती आवक का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्ष 2023-24 में नीमच मंडी में 53.46 लाख क्विंटल कृषि उपज की आवक हुई थी, जो वर्ष 2025-26 में बढ़कर करीब 72 लाख क्विंटल हो गई। मंडी की आय भी बढ़कर करीब 34.5 करोड़ रुपए पहुंची है। उन्होंने कहा कि नीमच औषधीय फसलों के व्यापार का प्रमुख केंद्र है और अश्वगंधा, इसबगोल, तुलसी, सतावरी,



चिरायता, आंवला, बहेरा, नीम सहित लहसुन, मेथी, धनिया और चिया सीड के उत्पादन में जिले की महत्वपूर्ण भूमिका है।

सिंचाई परियोजनाओं से बदलेगी तस्वीर - मुख्यमंत्री ने कहा कि रामपुरा-मनासा सूक्ष्म वृहद सिंचाई परियोजना से 212 गांवों की 67 हजार हेक्टेयर से अधिक भूमि सिंचित हो सकेगी। वहीं जावद-नीमच और खुमान

सिंह शिवाजी सिंचाई योजनाओं के पूर्ण होने पर एक लाख हेक्टेयर से अधिक भूमि को सिंचाई सुविधा का लाभ मिलेगा। सिंचाई का दायरा बढ़ने से जिले में कृषि रकबा और किसानों की उत्पादन क्षमता दोनों बढ़ने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री ने किसानों से प्राकृतिक एवं जैविक खेती को बढ़ावा देने तथा आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने

बताया कि जिले में 10 हजार एकड़ से अधिक क्षेत्र में प्राकृतिक एवं जैविक खेती की जा रही है। **सहकारी ऋण व्यवस्था** - मध्यप्रदेश राज्य सहकारी बैंक के प्रशासक महेंद्र सिंह यादव ने कहा कि किसानों को रबी और खरीफ सीजन में ऋण लेने तथा समय पर राशि जमा करने में आने वाली कठिनाइयों को दूर करने के लिए सहकारी

ऋण व्यवस्था को और सरल एवं किसान हितैषी बनाया जा रहा है। कार्यक्रम में जावद विधायक ओमप्रकाश सकलेचा, नीमच विधायक दिलीप सिंह परिहार और मनासा विधायक अनिरुद्ध माधव मारु ने भी किसानों के हित में सिंचाई, कृषि अनुसंधान, बिजली, सड़क और अन्य सुविधाओं के विस्तार पर जोर दिया।

प्रगतिशील किसानों और मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान - कार्यक्रम में उत्कृष्ट एवं प्रगतिशील किसानों श्याम कारपेंटर, हरीश पाटीदार, किशोर कुमार पाटीदार और अनिल धाकड़ को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। वहीं 11 मेधावी छात्र-छात्राओं को भी सम्मानित किया गया। कृषि वैज्ञानिकों और विभागीय अधिकारियों ने किसानों को आधुनिक कृषि तकनीक, फसल उत्पादन, पशुपालन और शासन की योजनाओं की जानकारी दी। कार्यक्रम में कलेक्टर हिमांशु चंद्रा सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी और बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

20 अमृत सरोवरों पर चला स्वच्छता अभियान, ग्रामीणों ने श्रमदान कर दिया जल संरक्षण का संदेश

नीमच। सेवा संकल्प अभियान-2026 के तहत “सेवा मेरा योगदान” अभियान में सोमवार को जिले के 20 अमृत सरोवरों पर विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। कलेक्टर हिमांशु चंद्रा एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अमन वैष्णव के मार्गदर्शन में आयोजित अभियान के दौरान अमृत सरोवरों और उनके आसपास के क्षेत्रों की साफ-सफाई की गई।

अभियान के दौरान विसर्जन के बाद जल स्रोतों एवं आसपास जमा पूजन सामग्री, पॉलीथिन और अन्य अपशिष्ट को हटाया गया। संबंधित ग्राम पंचायतों के पंचायत प्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने उत्साह के साथ अभियान में भाग लेकर श्रमदान किया।

ग्रामीणों को दिलाया स्वच्छता का संकल्प - स्वच्छता अभियान के दौरान ग्रामीणों को अमृत सरोवरों को स्वच्छ एवं

सुरक्षित रखने के लिए जागरूक किया गया। लोगों से पॉलीथिन का उपयोग नहीं करने और जल स्रोतों में कचरा नहीं डालने की अपील की गई। साथ ही जल स्रोतों की स्वच्छता और संरक्षण को निरंतर बनाए रखने के लिए सामूहिक जिम्मेदारी का संदेश दिया गया।

जल संरक्षण के साथ पर्यावरण बचाने पर जोर - अभियान का उद्देश्य केवल अमृत सरोवरों की सफाई तक सीमित नहीं रहा, बल्कि जल स्रोतों का संरक्षण, पर्यावरण सुरक्षा और जनभागीदारी को बढ़ावा देना भी रहा। अमृत सरोवरों की स्वच्छता के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में जल संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने और लोगों को सामुदायिक सहभागिता से जोड़ने का प्रयास किया गया। ग्रामीणों के श्रमदान से अमृत सरोवरों की तस्वीर बदली और जल स्रोतों को स्वच्छ बनाए रखने का सामूहिक संदेश भी दिया गया।

अज्ञात वाहन ने बाइक सवार को मारी टक्कर, मौत

मंदसौर/मल्हारगढ़। मंदसौर जिले के मल्हारगढ़ क्षेत्र में सोमवार को सड़क हादसे में बाइक सवार की मौत हो गई। बुढ़ा-टकरावद रोड पर गरीब फंटे के पास अज्ञात वाहन ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार लालसिंह ईश्वर सिंह निवासी खेड़ा काल्याखेड़ी गंभीर रूप से घायल हो गए। उनके सिर, कंधे और पैरों में गंभीर चोटें आईं। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के बाद लालसिंह करीब डेढ़ घंटे तक सड़क किनारे घायल अवस्था में पड़े रहे। बाद में वहां से गुजर रहे एक राहगीर की नजर उन पर पड़ी और उसने उन्हें अस्पताल पहुंचाया। हालांकि, चिकित्सकों ने जांच के बाद लालसिंह को मृत घोषित कर दिया।

परिजनों का आरोप है कि बाइक को टक्कर मारने वाला फोरव्हीलर चालक हादसे के बाद घायल लालसिंह को मौके पर छोड़कर वहां से फरार हो गया। परिजनों ने पुलिस से मांग की है कि हादसे वाली जगह और आसपास लगे CCTV कैमरों के फुटेज खंगाले जाएं, ताकि टक्कर मारने वाले वाहन और उसके चालक की पहचान हो सके।

घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और मर्ग कायम किया। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस हादसे की परिस्थितियों की जांच करने के साथ ही टक्कर मारने वाले अज्ञात वाहन की पहचान के प्रयास कर रही है। CCTV फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर पुलिस मामले की जांच आगे बढ़ा रही है।

SHRI S.R. GROUP OF COLLEGES

Admission Open 2025-26 **धर्मराज तिवारी** **निरंजन (राजू) तिवारी**
Director सं. वृ. - श्री राव जी. वी. के. के.

MBA 2 Year **B.Pharm 4 Year** **D.Pharm 2 Year**
B.Ed. 2 Year **D.Ed./STC 2 Year** **B.Sc. B.Ed. 4 Year** **B.A. B.Ed. 4 Year**

Singoli Road, Neemuch (M.P.) City Office : Indira Nagar, PG College Road, Neemuch (M.P.)
8817326635, 8109927774 • shriscollege • colleges90@gmail.com

खेत का रास्ता बंद- किसान नहीं कर पाया बुआई : तहसीलदार के आदेश के बाद भी दबंग ने नहीं हटाई फेंसिंग, कलेक्टर से लगाई गुहार



मनासा । तहसील के खेड़ीदायमा गांव का किसान कारू बंजारा मंगलवार को कलेक्टर की जनसुनवाई में पहुंचा। उसने मक्के के बीज की थैलियां दिखाते हुए बताया कि खेत का रास्ता बंद होने से वह बुआई नहीं कर पाया। अब बीज घर में पड़ा है और खेत खाली है। किसान ने आरोप लगाया कि गांव के गोपाल पिता चतुरसिंह ने उसके खेत तक आने-जाने का मुख्य रास्ता बंद कर रखा है। तहसीलदार मनासा ने मप्र भू-राजस्व संहिता की धारा

131 के तहत रास्ता खोलने का आदेश भी दिया था, लेकिन दबंग ने फेंसिंग नहीं हटाई। कारू बंजारा की खेड़ी चंद्रावत में सर्वे नंबर 51/5 पर 0.797 हेक्टेयर जमीन है। तहसीलदार ने 31 अगस्त 2026 को सर्वे नंबर 51/2 और 51/5 की फेंसिंग हटाने का आदेश दिया था।

क्या कहना है किसान का - पीडित किसान का कहना है कि तहसीलदार के स्पष्ट आदेश के बावजूद दबंगई के चलते आज तक दीवार और फेंसिंग नहीं हटाई गई।

रास्ता बंद रहने के कारण वे ट्रैक्टर और कृषि उपकरण खेत तक नहीं ले जा सके, जिससे इस सीजन में बुआई पूरी तरह टप हो गई। हताश किसान ने कलेक्टर से मामले की जांच करवाकर 31 अगस्त के आदेश का कड़ाई से पालन कराने और खेत का रास्ता बहाल कराने की मांग की है। अब देखा होगा कि जनसुनवाई में बीज की थैलियां लेकर पहुंचे किसान की फरियाद के बाद प्रशासन इस मामले में क्या कड़ी कार्रवाई करता है।

अंतिम संस्कार में जा रहे लोगों की तूफान गाड़ी अंधे मोड़ पर पलटी, 10 घायल, 3 की हालत गंभीर, नीमच रेफर

मनासा/नीमच। नीमच जिले के मनासा थाना क्षेत्र में सोमवार को चपलाना-बड़कुआ मार्ग पर रामदेवजी मंदिर के समीप दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार तूफान गाड़ी अंधे मोड़ पर अचानक अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गई। हादसे के समय वाहन में 14 लोग सवार थे, जिनमें से 10 लोग घायल हो गए। राहत की बात रही कि हादसे में किसी की जान नहीं गई। जानकारी के अनुसार मंदसौर जिले के रतन पिपलिया निवासी मालवीय समाज के लोग भमेश्वर गांव में आयोजित अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए जा रहे थे। इसी दौरान चपलाना-बड़कुआ मार्ग पर रामदेवजी मंदिर के पास अंधे मोड़ पर चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका और तूफान गाड़ी अनियंत्रित होकर पलट गई।

12th सफर जोश का के बाद मंजिल कामयाबी की

MPPSC, SSC, BANK

रेलवे, पुलिस की तैयारी कीजिए

और डिप्टी कलेक्टर, तहसीलदार, वाणिज्यिक कर अधिकारी, SP, DSP, CID इंस्पेक्टर, CBN इंस्पेक्टर, असिस्टेंट कमाण्डेंट, इन्कम टैक्स इंस्पेक्टर, सब इंस्पेक्टर, बैंक क्लर्क, PO, मैनेजर आदि बनिये

22 वर्षों का अनुभव। 1200 से अधिक छात्रों को नौकरी दिला चुके हैं। धनीराम सगर मार्केट, गायत्री मंदिर के पास, भागेश्वर मंदिर रोड, नीमच मो. 9300905061

सोनी कोचिंग क्लासेस ISO 9001 : 2008 Certified

GYANODAYA UNIVERSITY & GROUP OF INSTITUTES - NEEMUCH (M.P.)

27,000+ Alumni | 24 years

Admission Announcement 2026-27
A Leading & Premier University in the Serenity of Neemuch

Vibrant Campus Life with 9000+ Currently Enrolled Students	Highest Package ₹12.75 Lac	730 Placement Offers For Graduates of 2025 as on 30th April 2026	Average Package ₹4.75 Lac	220+ Recruitment Partners
--	----------------------------	--	---------------------------	---------------------------

Pharmacy D.Pharm B.Pharm M.Pharm	Nursing B.Sc. Nursing GNM Nursing Post Basic Nur.	Management BBA MBA B.Com M.Com	Engineering B.Tech (CSE, Elect. Mech, Civil/Env & Safety) M.Tech (CSE/IT/Env Energy Tech)	Comp. Science BCA MCA B.Sc.(CS) M.Sc.(CS) DCA/PGDCA
Paramedical BPT BMLT DMLT OT/X-Ray	Agriculture B.Sc.(Ag) M.Sc. (Agronomy) (Horticulture)	Education B.Ed. D.Ed. BA B.Ed.* B.Sc. B.Ed.*	Polytechnic Electrical Mechanical Civil Comp. Sci.	ITI Electrician Fitter COPA
Science B.Sc. (PCMBZ/Biotech/ Maths/CS/Chemistry/ Microbio/CS)	M.Sc. (Maths/CS/Chemistry/ Physics/Bio.)	Social Work BSW MSW	Lib. Science B.Lib. M.Lib.	
Art & Humanities BA (Plain Journalism & mass communication)	MA (Hindi/Eng./Purva/Sociology Political Sci./Eco/Education)	Hotel Mgmt BHMCT Hotel Mgmt		
Hospital Mgmt MBA in Hospital & Health Care Management	Ph.D All Subjects	Diploma Courses YOGA Beauty & Wellness Diet. & Nut. Fitness Mgmt		

For Admission & Enquiry
Gram: Kanawati, Neemuch (M.P.) Call: 9827550959, 7771001344
www.gyanodayauniversity.ac.in | www.gyanodayanmh.in

आज ही बुक करें अपना **Zelo** इलेक्ट्रिक स्कूटर, घर ले जाए

मात्र रु **45990/-** रु **41,990/-**
में वो भी 1 साल की बैटरी वारंटी के साथ

मात्र रु. **41,990/-** - इलेक्ट्रिक स्कूटर की रेंज से शुरू ...

INTRODUCING **KNIGHT+**

#BuiltToPerform

RTO मॉडल मात्र

रु **81000/-** रु **76000/-***
(माइलेज 80-100 कि.मी.)
3 साल बैटरी की वारंटी के साथ

Zelo Electric Scooter

बंगला नं. 23, IDBI बैंक के सामने,
Lic रोड, नीमच (म.प्र.)
मो. 940742399, 8770664866